ओशो ध्यान शिविर

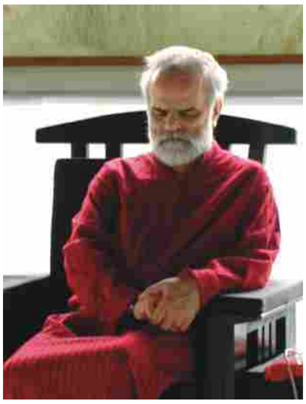

गत मई माह में *20* से *22* तारीख को ओशोधाम, नई दिल्ली में तीन दिवसीय ध्यान शिविर स्वामी चैतन्य कीर्ति के संचालन में सम्पन्न हुआ। मई के इस गर्म माह में भी इतनी संख्या में संन्यासियों का आना एक सुखद आश्चर्य था। शिविर के दौरान डायनेमिक, नादब्रह्म, कुंडलिनी, प्राण-ऊर्जा, नासाग्र ध्यान, नृत्य व प्रार्थना ध्यान आदि ध्यान करवाये गये। दोपहर स्वामी जी शेयरिंग सेशन में सभी के सवालों के जवाब देते।

21 मई की संध्या सत्संग में संन्यास महोत्सव आयोजित हुआ। *7* नये मित्रों ने नव संन्यास की दीक्षा ली। संगीत के धीमे सुरों के साथ जैसे ही संन्यासियों ने नृत्य आरंभ किया, गर्म मौसम ने यूं करवट बदली मानो वह भी इस उत्सव में शामिल होने आया हो। संगीत और हवा के झोंकों की मस्ती में संन्यासी बुद्धा हॉल के बाहर आकर भी नृत्य करने लगे।

आखिरी दिन संध्या सत्संग के साथ शिविर का समापन हुआ।

बच्चों के लिए ओशो ध्यान शिविर

इस वर्ष गर्मियों की छुट्टियों के मौके पर बच्चों का ध्यान शिविर ओशोधाम, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। मा देव दक्षिणा के साथ स्वामी आनंद अमित तथा मा निधि का संचालन सहयोग विशेष रूप से रहा। वहीं दूसरी ओर अभिभावकों को स्वामी चैतन्य कीर्ति के सान्निध्य में ध्यान करने का अवसर मिला।

25 से *29* मई तक चले इस पांच दिवसीय ध्यान शिविर में प्रतिदिन प्रातः व्यायाम तथा मिस्टिक रोज़ ध्यान से दिन का आरंभ होता। शिविर के दौरान जिब्रिश, हास्य ध्यान, हमिंग (गुंजन), बुद्धा वॉक, डॉग मेटिडेशन आदि ध्यान करवाये गये। हार्ट डांस, नो डाइमेंशन और व्हिर्लिंग ध्यान विशेष रूप से बच्चों को बेहद पसंद आये।

दोपहर भोजन के पश्चात् क्रिएटिविटी सेशन होता, जिसमें ओशो प्रवचन के पश्चात् क्ले मॉडलिंग, टैक्सचर पेंटिंग, वाटर पेंटिंग और एक्टिंग आदि होते। इस सेशन का बच्चों को विशेष रूप से इंतजार रहता। चाक पर मिट्टी से तरह-तरह के आकार बनाना बहुत अनूठा था। मिट्टी तथा रंगों से भरे उनके हाथों तथा खिलखिलाते चेहरों

को देखकर उनकी तल्लीनता और उत्साह का बोध होता था। क्रिएटिविटी के पश्चात् कुंडलिनी ध्यान और सहज हो जाता जिसमें डूबकर बच्चों को अपूर्व शांति तथा आनंद का अनुभव होता।

संध्या सत्संग में सभी मस्ती के साथ झूमते-नाचते। रात्रि भोजन के पश्चात् शेयरिंग सेशन होता और वीडियो दिखाया जाता। ओशो को पेंटिंग करते हुए देखना बहुत रसमय था। कार्य ध्यान पर आधारित ये वीडियो बहुत अनूठे थे। शेयरिंग में दिनभर के अनुभवों को बच्चे एक-दूसरे से बांटते। कभी लतीफे सुनाकर, कभी अपने अनुभव बताकर तो कभी एक-दूसरे की बातों पर हंसकर बच्चे इस सेशन का आनंद लेते थे।

शिविर में अभिभावकों सहित बच्चों की कुल संख्या *100* से अधिक रही। आखिरी दिन स्वामी कीर्ति ने बच्चों और अभिभावकों को संयुक्त रूप

से ध्यान करवाया। जिसमें बच्चों को अभिभावक तथा अभिभावकों को बच्चा बनाया गया। इसी ध्यान के साथ शिविर का भी समापन हुआ और ओशो की देशना 'हंसिबा खेलिबा करिबा ध्यानम्' को हृदय में संजोए सबने एक-दूसरे से विदा ली।

हरिद्वार, उत्तरांचल

आनंदोत्सव आश्रम, हरिद्वार में *8* से *10* अप्रैल को एक त्रिदिवसीय ओशो ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन ओशो

तपोवन, नेपाल के स्वामी आनंद अरुण ने किया। शिविर में ओशो के विभिन्न ध्यान-प्रयोग, ऑडियो-वीडियो प्रवचन आदि कार्यक्रम हुए जिनका शिविरार्थियों ने भरपूर आनंद उठाया।

मगहर, उ.प्र.

सद्गुरु कबीर साहेब की समाधि एवं मजार स्थली मगहर में, मठ के महंत श्री विचार दास साहेब एवं ओशो लवर्स ट्रस्ट, गोरखपुर के मित्रों के संयुक्त संयोजन में गत *22* से *24* अप्रैल तक ओशो कबीर सहज साधना शिविर एवं ओशो पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

शिविर का संचालन किया नेपाल के स्वामी आनंद अभय ने। शिविर में दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, फैजाबाद, आजमगढ, बस्ती, गोरखपुर, बनारस, मगहर एवं नेपाल के लगभग *150* मित्रों ने भाग लिया। संत कबीर, गुरुगोरक्षनाथ, संतरविदास जैसे उस समय के दस महापुरुषों की ऊर्जा से आप्लावित पवित्र स्थली मगहर में साधक *3* दिनों तक ध्यान में डूब कर आनंद एवं शांति से लबालब भर गए। संत कबीर पर एवं महावीर जयंती के अवसर पर महावीर पर ओशो के प्रवचन सुनवाए गये। *8* मित्रों ने संन्यास दीक्षा ली।

— स्वामी प्रेम गीत, नेपाल

जामनगर, गुजरात

ओशो सागर ध्यान केन्द्र, जामनगर, गुजरात की ओर से हर साल की तरह बुद्ध पूर्णिमा का

महोत्सव आयोजित किया। 'बुद्धमं शरणं गच्छामि' मंत्र से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। के संयोजक स्वामी आनंद सागर ने बुद्ध और ओशो पर प्रवचन दिया। हर उत्सव की तरह इस उत्सव में भी अनेक ध्यान विधियों का आयोजन किया गया था। संन्यासी मित्रों और प्रेमियों ने चांदनी रात का आनंद लूटा।

मण्डी, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश, मण्डी जिले में व्यास नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल हनोगी मंदिर में *12* से *15* मई तक पहली बार त्रिदिवसीय ओशो ध्यान शिविर संपन्न हुआ। प्रशांत प्रवाहमान ब्यास नदी के तट पर, शीतल बयार में झूमते हुए, करीब *50* मित्रों ने स्वामी चैतन्य कीर्ति के संचालन में विभिन्न ओशो ध्यान प्रयोगों का आनंद उठाया। शिविर में भाग लेने वालों में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार भी शामिल थे। अंतिम दिन *15* मई को संन्यास उत्सव में *9* ओशो प्रेमी नव-संन्यास में दीक्षित हुए। इस शिविर का आयोजन मा धर्म क्रांति एवं स्वामी जीवन निशोका ने किया। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कहा : मैं *1977* से ओशो को पढ़ रहा हूं। ओशो का संदेश हर व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

अमृतधाम, जबलपुर

ओशो अमृतधाम, जबलपुर में *14* से *24* मई ओशो स्वदिशा बोध कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रथम *4* दिन ओशो द्वारा रचित विभिन्न ध्यान प्रयोगों के माध्यम से साधकों के भीतर शारीरिक, मानसिक शुद्धिकरण के साथ-साथ साधना की पृष्ठभूमि निर्मित हुई।

द्वितीय चरण में द्रष्टा, मौन और आंतरिक विश्राम के विविध ध्यान प्रयोगों के माध्यम से मित्रों ने अपनी स्वसत्ता को जाना और अंतर के लोक में प्रवेश किया। शिविर के पश्चात कुछ मित्रों ने संन्यास में दीक्षित होकर एक नयी जीवन शैली जीने की शुरुआत की।

– स्वामी चैतन्य शिखर

तपोवन, नेपाल

ओशो तपोवन, नेपाल में *21* से *23* मई एक त्रिदिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर की शुरुआत मा तरु के मधुर स्वर में बुद्धम् शरणम् गच्छामि से हुई। विषम परिस्थितियों में भी दूर-दराज के मित्रों ने सारी बाधाएं पार कर इस शिविर में भाग लिया। भारत, मलेशिया, इटली, माल्टा, नार्वे, कोरिया और नेपाल के *125* मित्रों ने भाग लिया। ध्यान के विभिन्न प्रयोगों ने इस यात्रा को उस मकाम पर पहुंचाया जहां हर दिन ओशो की हंसी, हर रात ओशो की प्रगाढ़ता और हर फूल ओशो का स्पर्श

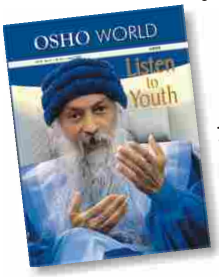

Price Rs.10/-

Annual subscription including postage

In India
Ordinary Post: Rs. 110/-
Registered Post: Rs. 330/-
Courier: Rs. 500/-

Abroad
Air Mail: Rs. 1500/-

मनीआर्डर/बैंक ड्राफ्ट
OSHOWORLDFOUNDATION
के नाम भेजें।
Send money order/DD favouring OSHO WORLD FOUNDATION payable in New Delhi.
Sorry no credit cards/cheques or currency. Please mention your name and address on the reverse of the DD.

OSHO WORLD NEWSLETTER

Annual Subscription form

Name: . . . .
Please fill in CAPITAL LETTERS only
Address: . . . .
. . . .
. . . . Pin Code: . . . .
Phone: . . . . E-mail: . . . .
I am enclosing herewith DD no . . . . drawn on . . . .
(specify bank): . . . . (specify branch): . . . .
for Rs.: . . . . Number of Subscriptions: . . . .
On account of OWP/OWL for the period From .... To ....

OSHO WORLD FOUNDATION
C-5/44, Safdarjung Development Area, New Delhi-110016
Phone: 91-11-26964533, 26862898, contact@oshoworld.com, www.oshoworld.com

लगे। स्वामी आनंद अरुण ने प्रेमपूर्ण संचालन में मित्रों ने आनंद और मौन के इस अजस्र झरने में छक-छक स्नान किया। *36* मित्रों ने संन्यास लिया।

इससे पूर्व *16* से *22* मार्च गैर-आवासीय संध्या बेला नो-माइंड ध्यान का संचालन हुआ। इसमें *30* मित्रों ने भाग लिया। यह ध्यान सब को रास आया।

रंगसारथी, काठमांडो के मित्रों द्वारा *28* मार्च को तपोवन में एक नाटक 'मुर्दों का महाभोज' का मंचन हुआ। हास्य-विनोद मिश्रित इस नाटक का अंत समाज की विसंगतियों पर एक गहन कटाक्ष के साथ हुआ। इसमें निहित संदेश ने सबके हृदय को छू लिया।

मुजफ्फरनगर, रुड़की, देहरादून, यमुनानगर, जगाधरी, करनाल, अमृतसर, लुधियाना, अंबाला, दिल्ली, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ आदि स्थानों से *80* से अधिक ओशो प्रेमियों व संन्यासियों ने भाग लिया। अंतिम दिवस कीर्तन-नृत्य के उत्सवमय माहौल में *6* नये मित्र ओशो के संन्यास में संन्यस्त हुए।

ध्यान शिविर का संचालन ओशो ओम् बोधिसत्व देहरादून के स्वामी नरेन्द्र बोधिसत्व एवं मा अमृत मुक्ति ने किया। दिल्ली के स्वामी शिव भारती ने संचालन में अपना पूरा सहयोग दिया। प्रेस कांफ्रेस में विभिन्न समाचार-पत्रों के संवाददाता एवं फोटोग्राफर्स भी आये। स्थानीय समाचार-पत्रों में शिविर की जानकारी एवं ध्यान-प्रयोग के उत्सवमय फोटोग्राफस भी प्रकाशित हुए।

– मा श्रीला, रुड़की

लुधियाना, पंजाब

ओशो पैगाम सेंटर, मोतीबाग, फुलोवाल, लुधियाना में *28-29* मई को दो दिवसीय ध्यान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें *56* मित्रों ने भाग लिया। इस शिविर का संचालन स्वामी जसपाल जी ने किया। उन्होंने नये मित्रों को ध्यान विधियां बहुत ही विस्तार से समझाई तथा नये मित्रों का ओशो परिवार में स्वागत किया।

– स्वामी अशोक भारती

रुड़की, उ.प्र

ध्यान, प्रेम, संन्यास छलांग

रुड़की के क्लब-*10* में *21,*
को ओशो ध्यान शिविर का आयोज
शिविर में मैनपुरी, हरिद्वार,

बौराड़ी, उत्तरांचल

आत्मसृजन ही मनुष्य के लिए श्रेयस्कर

बहुद्देशीय सेवा केन्द्र का उद्घाटन

मनुष्य आत्मा से साक्षात्कार करे तो वह स्वयं

हिन्दी मासिक पत्रिका

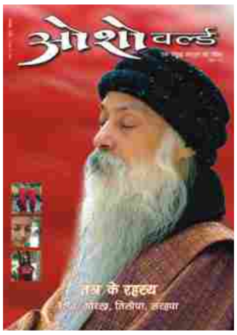

मूल्य 20/-रुपये

वार्षिक सदस्यता-फार्म डाक खर्च सहित

भारत में	
साधारण डाक	: 220 रुपये
रजिस्टर्ड डाक	: 430 रुपये
कूरियर सेवा	: 500 रुपये
भारत से बाहर	
एयर मेल	: 1500/- रुपये

ओशो वर्ल्ड
एक संबुद्ध सद्गुरु का संदेश

Subscription No.:
वार्षिक सदस्यता-फार्म

Name: . . . .

Address: . . . .

. . . .

. . . . Pin Code: . . . .

Phone: . . . . E-mail: . . . .

I am enclosing herewith Cash/Cheque/Mo/DD no.... . . . . . .drawn on . . . .

(specify bank): . . . .(specify branch): . . . .

for Rs.: . . . . Number of Subscriptions: . . . .

Signature

'निवेदन है कि ओशो वर्ल्ड पत्रिका अथवा ओशो वर्ल्ड न्यूज़ हेतु अपना सदस्यता शुल्क माह की *15* तारीख तक भेज दें। ताकि अगले माह से आपकी सदस्यता आरंभ हो सके।'

OSHO WORLD FOUNDATION
C-5/44, Safdarjung Development Area, New Delhi-110016
Phone: 91-11-26964533, 26862898, contact@oshoworld.com, www.oshoworld.com

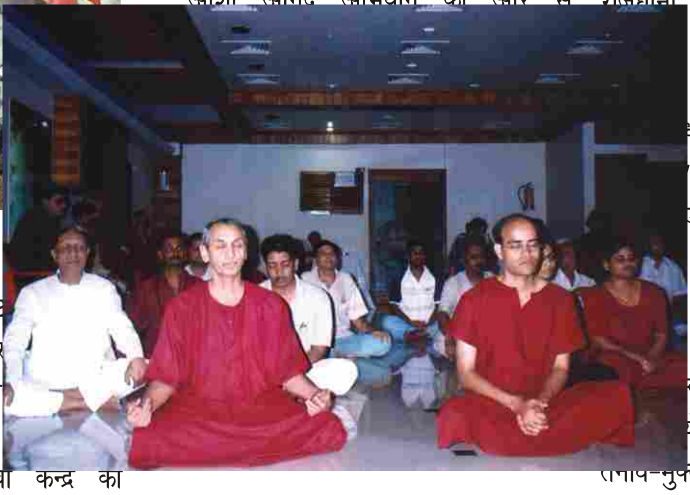

को पहचान सकता है और उ... विचार उसकी आत्मा से उभर कर... वह अपने कार्यों का सृजन सही... सकता है।

बौराड़ी में बहुद्देशीय सेवा केन्द्र का उद्घाटन करते हुए ओशो वर्ल्ड के संपादक स्वामी चैतन्य कीर्ति ने कहा कि कोई भी धर्म चाहे वह हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या फिर अन्य धर्म हो, मनुष्य को बांटना गलत है, क्योंकि मनुष्य के शरीर में जो आत्मा वास करती है, वह एक ही है और वही आत्मा यदि मनुष्य के मस्तिष्क को किसी भी कार्यों के लिए निर्देशित करे तो मनुष्य आत्म सृजन कर कई मुकाम हासिल कर सकता है।

बहुद्देशीय सेवा केन्द्र उद्घाटन के अवसर से पूर्व स्वामी चैतन्य कीर्ति द्वारा जम्मू-कश्मीर में उगने वाला चिनार के वृक्ष का रोपण किया गया। इसके पश्चात उपस्थित मित्रों ने ओशो के भजन पर नृत्य कर ध्यान किया। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र प्रमुख स्वामी बोधि वर्तमान, मा अपर्णा, रविन्द्र रांगड़, कंचन सिंह, प्राची, सुनैना, शिवानी, विनोद ममगांई आदि उपस्थित थे।

अजरपुरा, गुजरात

गुजरात के आनंद शहर के निकट अजरपुरा गांव में हर पंद्रह दिन में एक बार ध्यान कार्यक्रम होता है जिसका संचालन स्वामी बोधि अविकल तथा आयोजन स्वामी सत्य मूर्ति करते हैं। ओशो के ध्वनिमुद्रित प्रवचन के बाद एक घंटे का ध्यान प्रयोग होता है।

मुंबई

ओशो आनंद अभियान की ओर से ...

आयोजित हुई। अंतिम दिन बुद्ध पूर्णिमा थी इसलिए शिविर में एस धम्मो सनंतनो के प्रवचन, विपस्सना, अनापानसती योग, विपस्सना चंक्रमण ध्यान हुए।

पुस्तक प्रदर्शनी में उल्हासनगर के स्वामी गुरु ने संपूर्ण जिम्मेदारी वहन की। हर रोज़ लाइव म्युज़िक प्रस्तुत किया गया जिसमें बिहार से पधारे स्वामी ध्यान तृषा और उनकी *15* वर्षीय बेटी मा अमृत दिशा ने ध्यान-वीणा और सितार वादन द्वारा सभी शिविरार्थियों का मन मोह लिया। अंतिम दो दिन की भजन संध्या मुंबई के स्वामी शिवकुमार और उनकी पत्नी मा स्वरगंधा द्वारा प्रस्तुत हुई। संगीत की स्वरलहरियों पर सभी मस्त होकर झूमने लगे। स्वामी गोपाल भारती ने अति कुशलतापूर्वक हर रोज़ प्रश्नोत्तर का सत्र लिया।

अंतिम दिन *6* मित्रों ने स्वामी विट्ठल द्वारा संन्यास का प्रसाद पाया। दो दिन बाद और *3* मित्रों ने संन्यास लिया। समग्र शिविर में या

आंशिक शिविर में भाग लेने वाले करीब *140* मित्रों के लिए यह शिविर यादगार रहेगा। स्वामी विट्ठल के सक्षम आयोजन से सभी प्रभावित हुए।

नयी दिल्ली

भारत के अन्य नगरों की भांति, नयी दिल्ली में भी विभिन्न वर्गों के लोगों में ओशो के ध्यान-प्रयोगों में रुचि बढ़ रही है, यद्यपि राजधानी का जीवन अन्य नगरों से अधिक ... और भाग-दौड़ का जीवन है। यहां के ... क्लबों में तथा व्यावसायिक संस्थानों में ...ध्यान-प्रयोगों का प्रवेश हो रहा है।

...*18* मई को श्री राम पिस्टन्स ग्रुप की ...एक ऐसा आयोजन एक पांच सितारा ... हुआ, जिसमें इस ग्रुप के *70* मुख्य ... सम्मिलित हुए। वे देश के अलग-अलग ... आए थे। ओशो वर्ल्ड फाउंडेशन की ...वामी चैतन्य कीर्ति के संचालन में इन ...यों ने ध्यान के विविध प्रयोग सीख कर, ...तनाव-मुक्त होकर आनंदपूर्ण जीवन जीने की

कला सीखी; ओशो की ध्यान-उत्सवमय जीवन शैली से परिचित हुए। ध्यान-प्रयोगों के अतिरिक्त लोगों ने प्रश्नोत्तर परिचर्चा में बहुत उत्साह से भाग लिया। श्री राम पिस्टन्स ग्रुप की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन श्री आलोक भट्टाचार्य ने किया तथा श्री तनेजा ने अपना अहोभाव प्रकट